बच्चों के लिए बाइबिल
प्रस्तुति

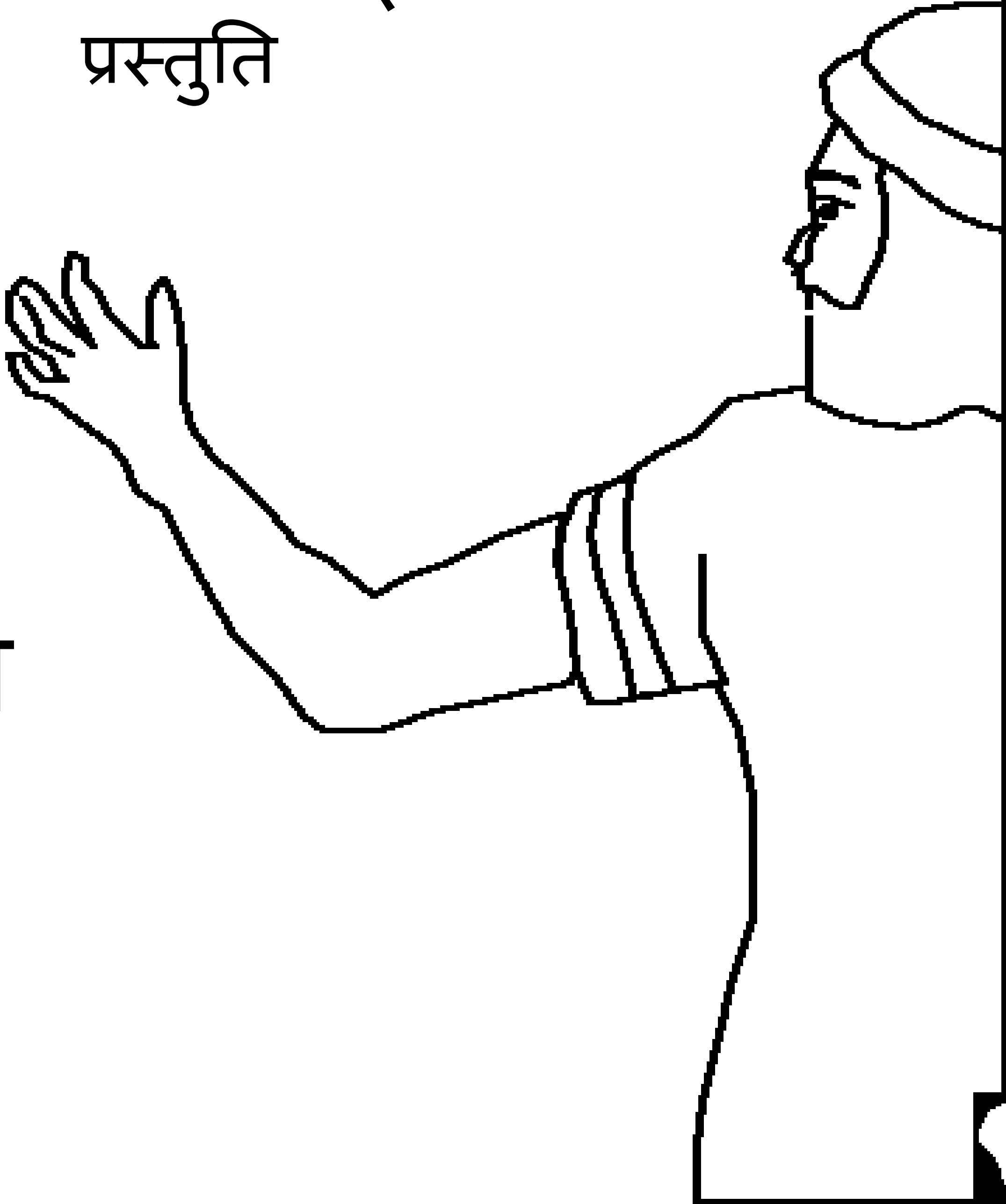

यहोशू का उत्तरदायित्व सम्भालना

लेखक: Edward Hughes
व्याख्याकार: Janie Forest
रूपान्तरकार: Ruth Klassen
अनुवाद: Suresh Kumar Masih
प्रस्तुतकर्त्ता: Bible for Children
www.M1914.org

BFC
PO Box 3
Winnipeg, MB R3C 2G1
Canada

©2015 Bible for Children, Inc.
अनुज्ञापत्र (लाइसेंस): आप इन कहानियों की छाया प्रति और मुद्रण करवा सकते हैं, बशर्ते कि बेचें नहीं।

मूसा मर गया था। यहोशू को यह मालूम था की परमेश्वर ने इस्राएलियों का नेतृत्व करने के लिए उसे चुना है। अपनी सेना को तैयार करने से पहले यहोशू को, खुद को तैयार करने की जरूरत थी। परमेश्वर ने यहोशू से वायदा किया की यदि लोग हमेशा उसके वचनों का पालन करेंगे तब वाचा के देश में यहोशू को सफलता, समृद्धि और जीत हासिल होगी।

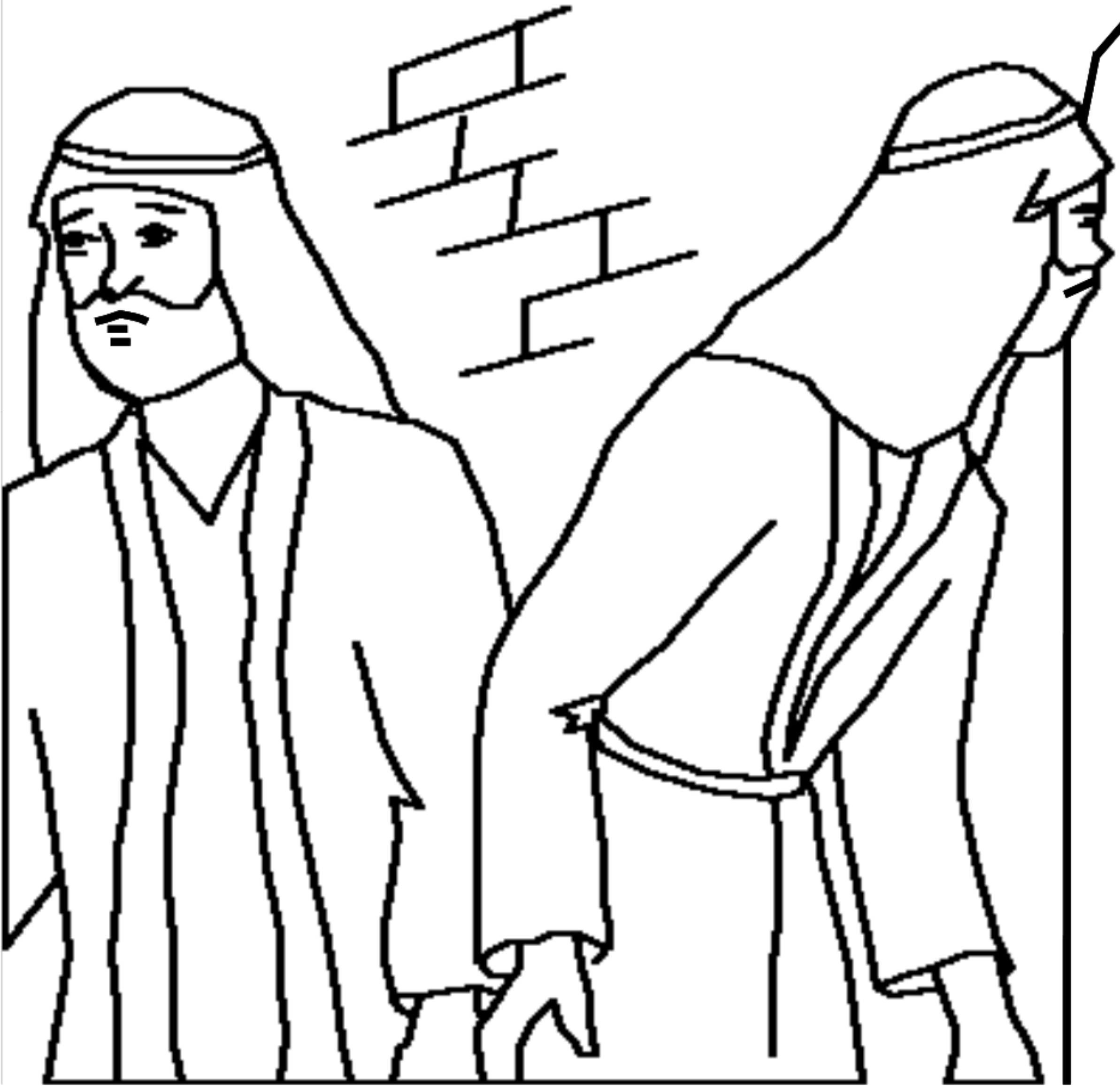

इस्राएलियों ने यहोशू का और परमेश्वर के वचनो का हमेशा पालन करने का आश्वासन दिया। बुद्धिमानी से, नए नेता ने यरीहो के महान शहर के गढ़ का अध्ययन करने के लिए कनान में जासूसों को भेजा। इसराइल की पहली लड़ाई लड़ी जाने वाली थी।

किसी ने यरीहो के राजा को बताया की शहर में जासूस है। उसने अपने सैनिकों को उन्हें ढूंढने के लिए भेजा। राहाब के घर में पुरुषों की खोज जारी हुई, जहां वे रह रहे थे। सैनिकों ने उसके दरवाजे को बुरी तरह पीटा। राहाब ने जल्दी से उन पुरुषों को कुछ पटुओं के नीचे छिपा दिया।

जब सैनिक चले गए तब राहाब ने लाल रंग की डोरी की मदद से पुरुषों को शहर की दीवार के बाहर सुरक्षित नीचे उतार दिया। वह जासूसों की मदद क्यों की थी? क्योंकि वह जानती थी कि परमेश्वर उनके साथ था। वह चाहती थी की परमेश्वर उसके जीवन को बचा ले। जासूसों ने राहाब से वायदा किया की वे उसे और उसके परिवार को बचायेंगे।

यरीहो में पहुंचने से पहले, इस्राएलियों को वाचा के देश कनान के यरदन नदी को पार करनी थी। लेकिन वहाँ कोई पुल नहीं था! लोग कैसे पार करते?

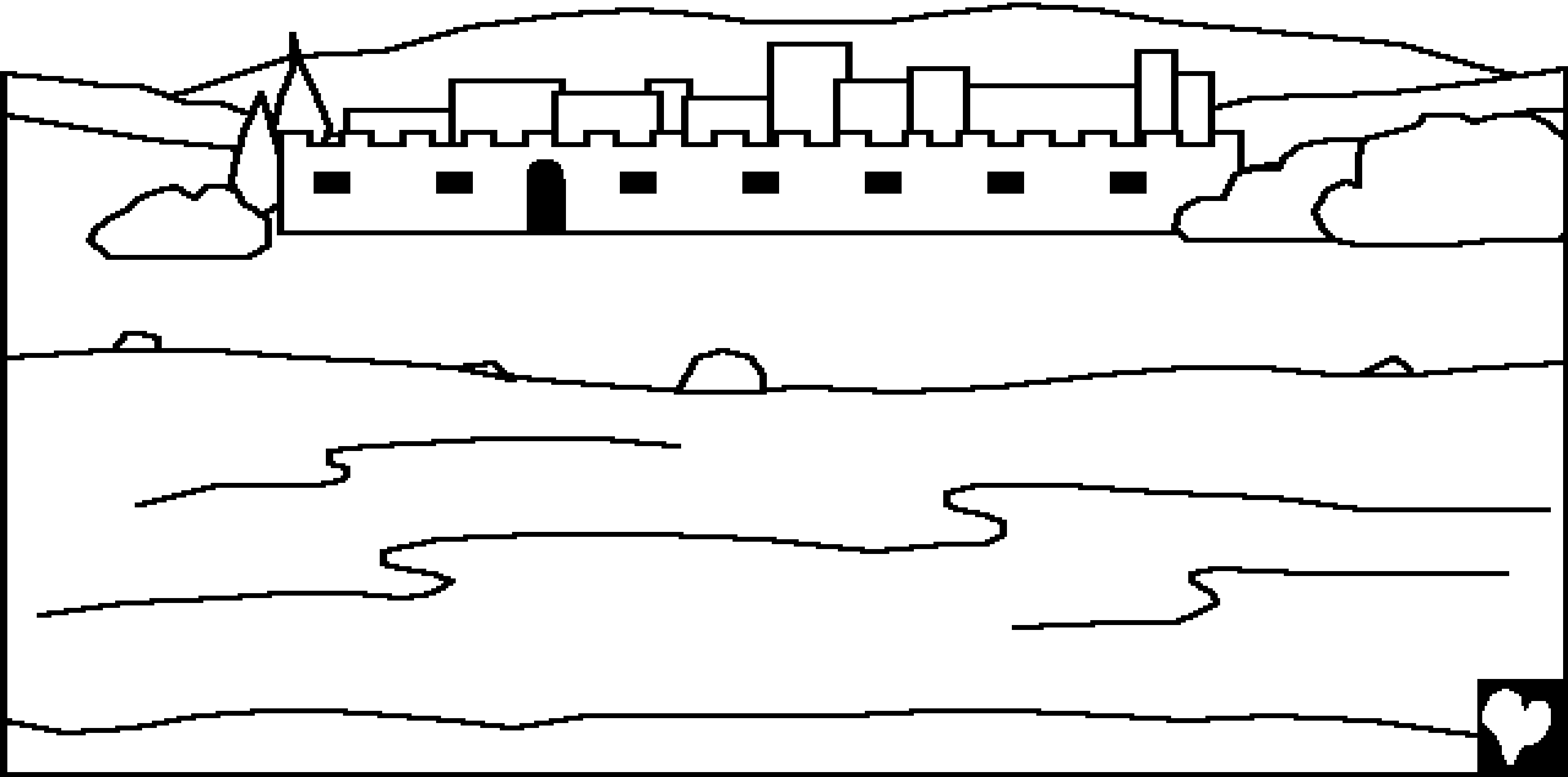

परमेश्वर ने यहोशू से कहा, याजक सैनिकों का नेतृत्व करें और लोग वाचा का सन्दूक ढोवे जिसमें दस आज्ञाओं का समायोजन था। जब याजकों का पैर नदी के किनारे को छुआ, परमेश्वर ने एक चमत्कार किया। परमेश्वर ने पानी के बीच से एक सूखे रास्ते को बना दिया।

सभी लोग सुरक्षित पार करने के बाद, वे नदी में बारह बड़े पत्थर रखे और कनान नदी के तट पर और बारह बड़े पत्थरों को रखे। यह उनके बच्चो को परमेश्वर की महान शक्ति और प्रेम के बारे में सीखाने के लिए याद दिलाने में मददगार होने वाला था।

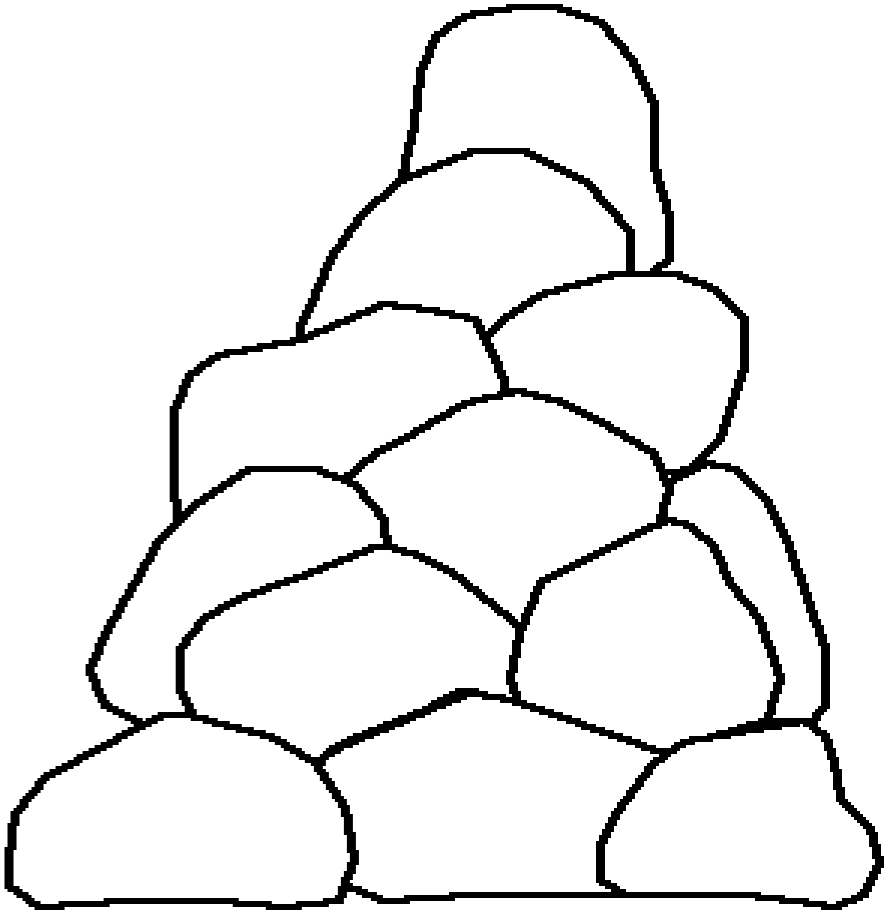

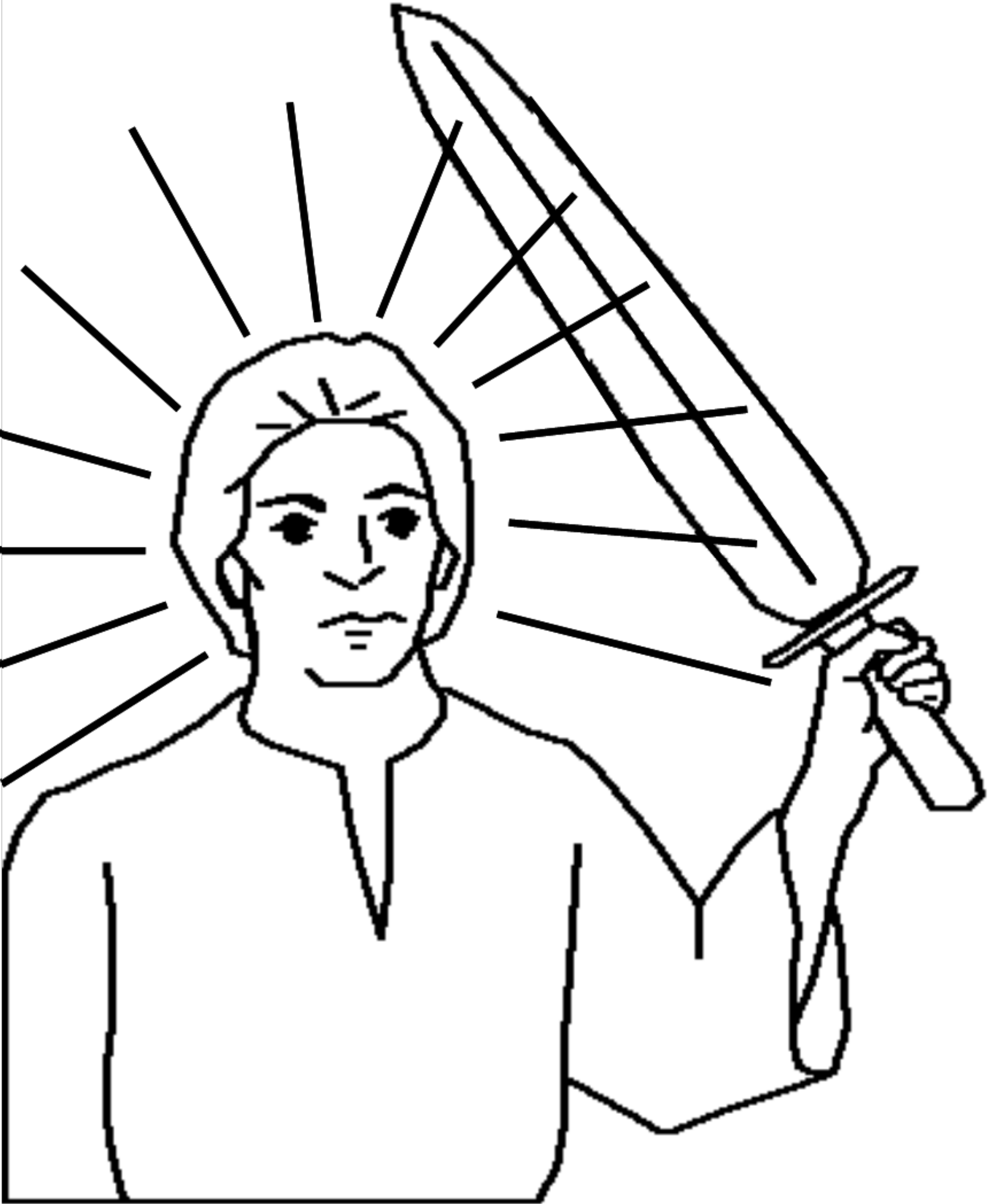

यरीहो एक मजबूत, मोटी दीवारों से बनी थी। जैसे ही यहोशू, अपने हमले की योजना बनाई परमेश्वर उसकी सेना के कप्तान को स्वर्ग से इसराइल के नए नेता को याद दिलाने के लिए भेजा कि परमेश्वर, लोगों के लिए लड़ाई जीतेगा।

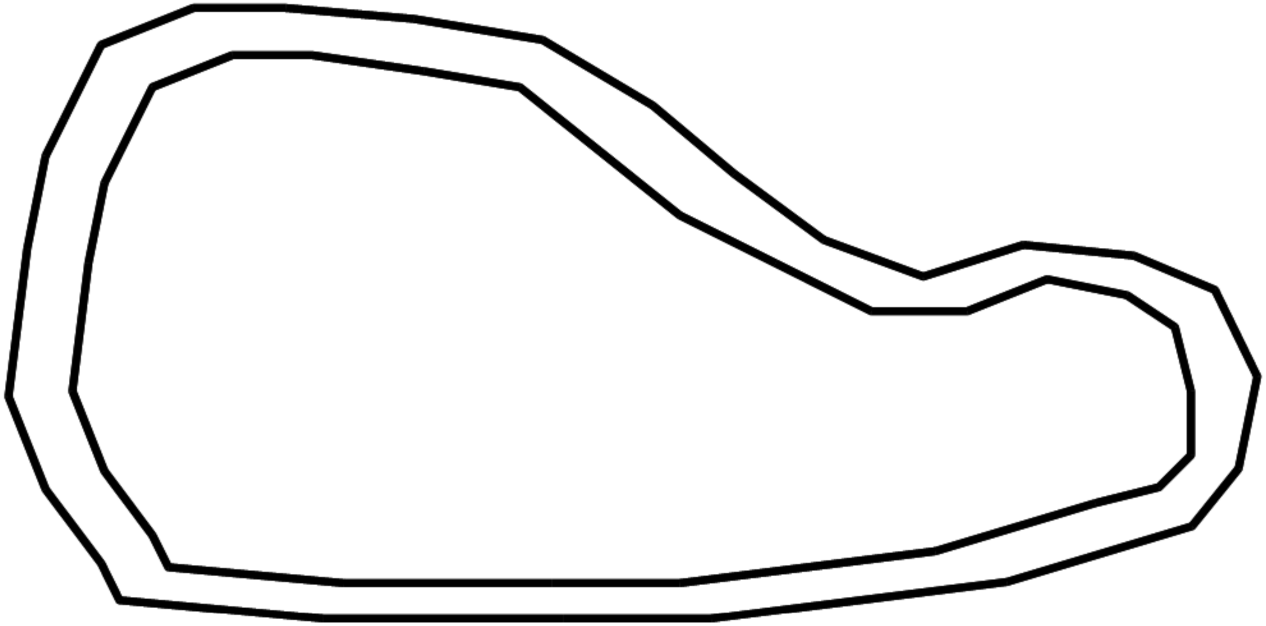

परमेश्वर ने यहोशू को यरीहो पर हमला करना सिखाया। यह एक बहुत ही अजीब योजना थी। परमेश्वर के लोगों को छः दिनों तक शहर के चारों ओर दिन में एक बार चारो तरफ चक्कर लगाने को कहा और सातवें दिन को सात बार। तब उन्हें, तुरही फूँकनी और चिल्लाना था। और तब शहर की दीवारें नीव से नीचे गिर जाएगी!

यहोशू और उसकी सेना ने वैसा की किया जैसा परमेश्वर ने उन्हें आज्ञा दी थी। शायद यरीहो के लोग उन पर हंसे होंगे। लेकिन, सातवें दिन के सातवें चक्कर के बाद याजकों ने जब मेढ़े के सींग *(तुरही)* को बजाया, परमेश्वर ने जैसा वादा किया था, वैसा ही हुआ ... यरीहो की महान दीवारें टूट कर गिरने लगी!

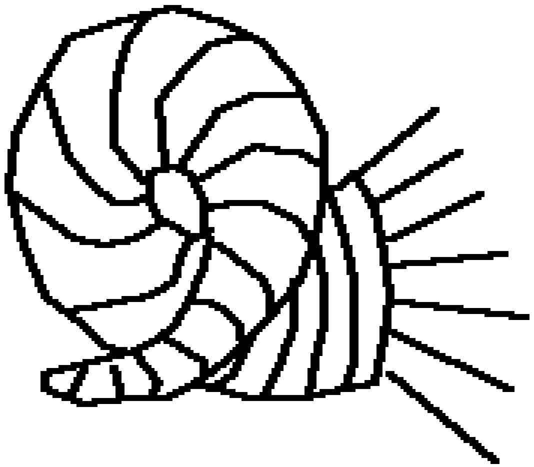

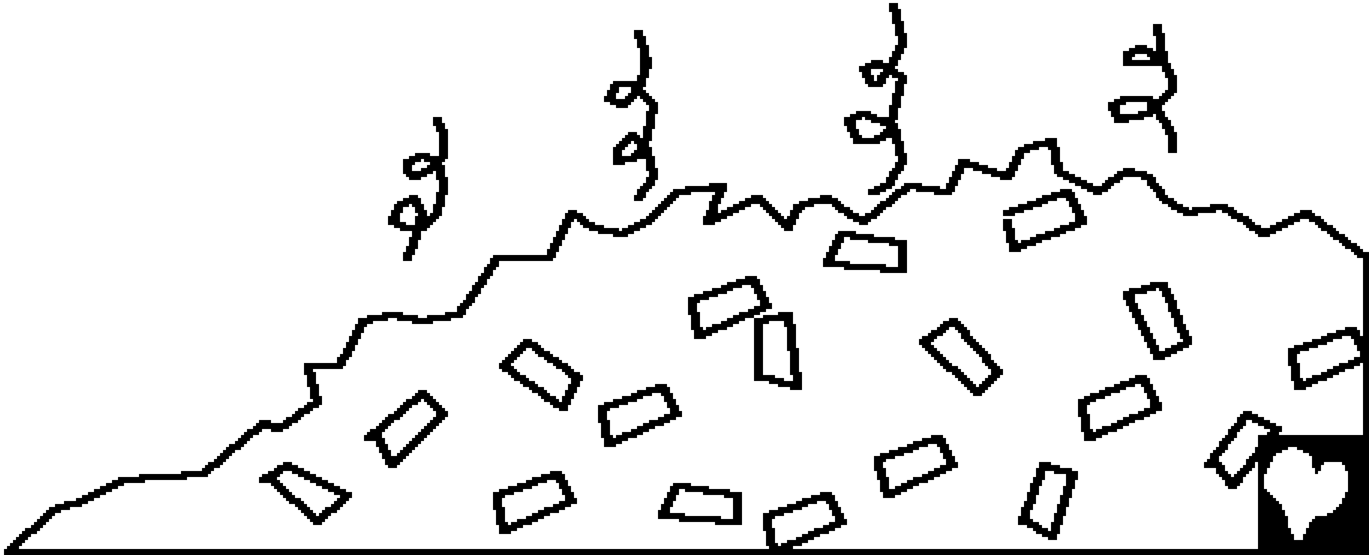

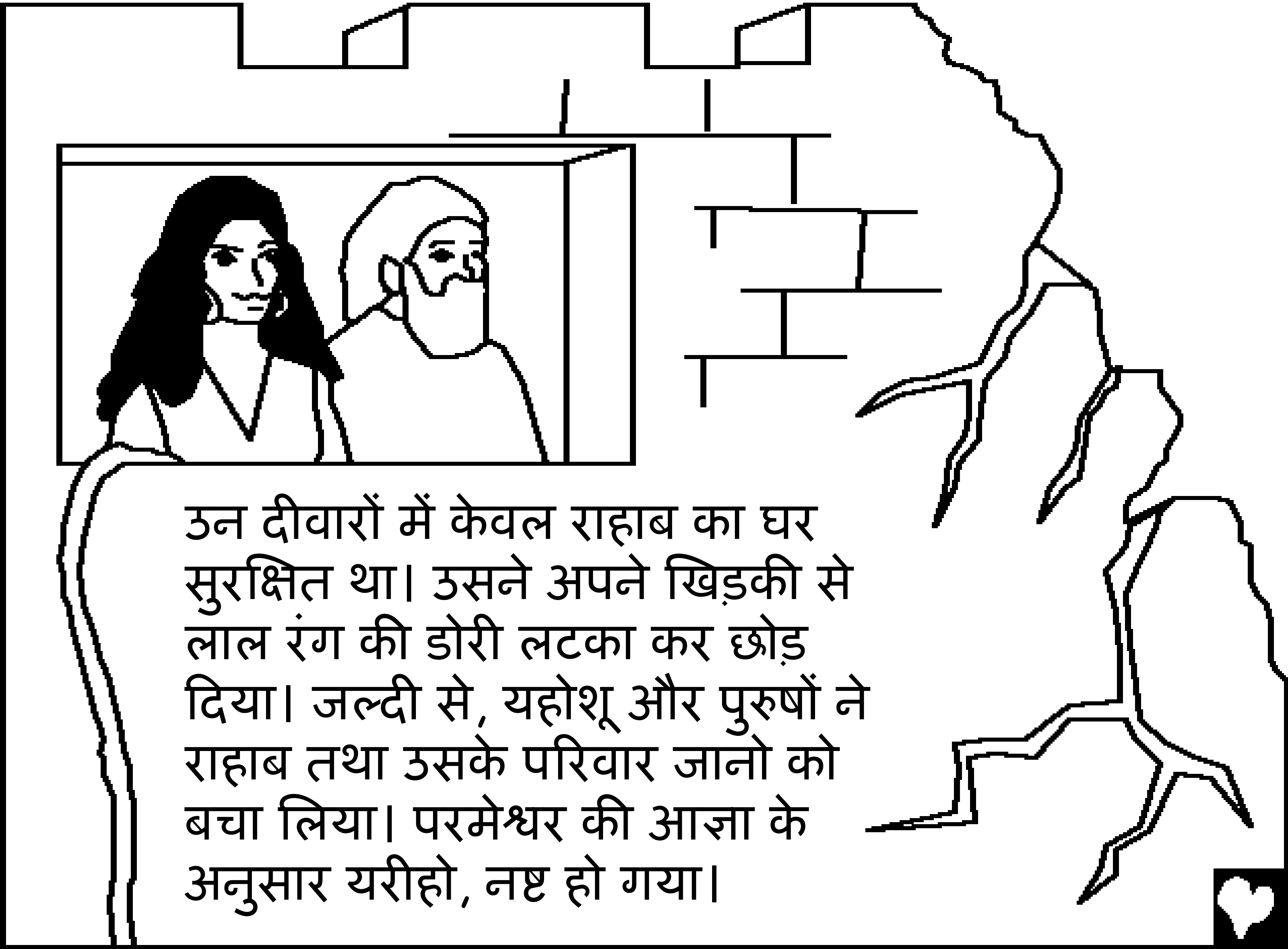

उन दीवारों में केवल राहाब का घर
सुरक्षित था। उसने अपने खिड़की से
लाल रंग की डोरी लटका कर छोड़
दिया। जल्दी से, यहोशू और पुरुषों ने
राहाब तथा उसके परिवार जानो को
बचा लिया। परमेश्वर की आज्ञा के
अनुसार यरीहो, नष्ट हो गया।

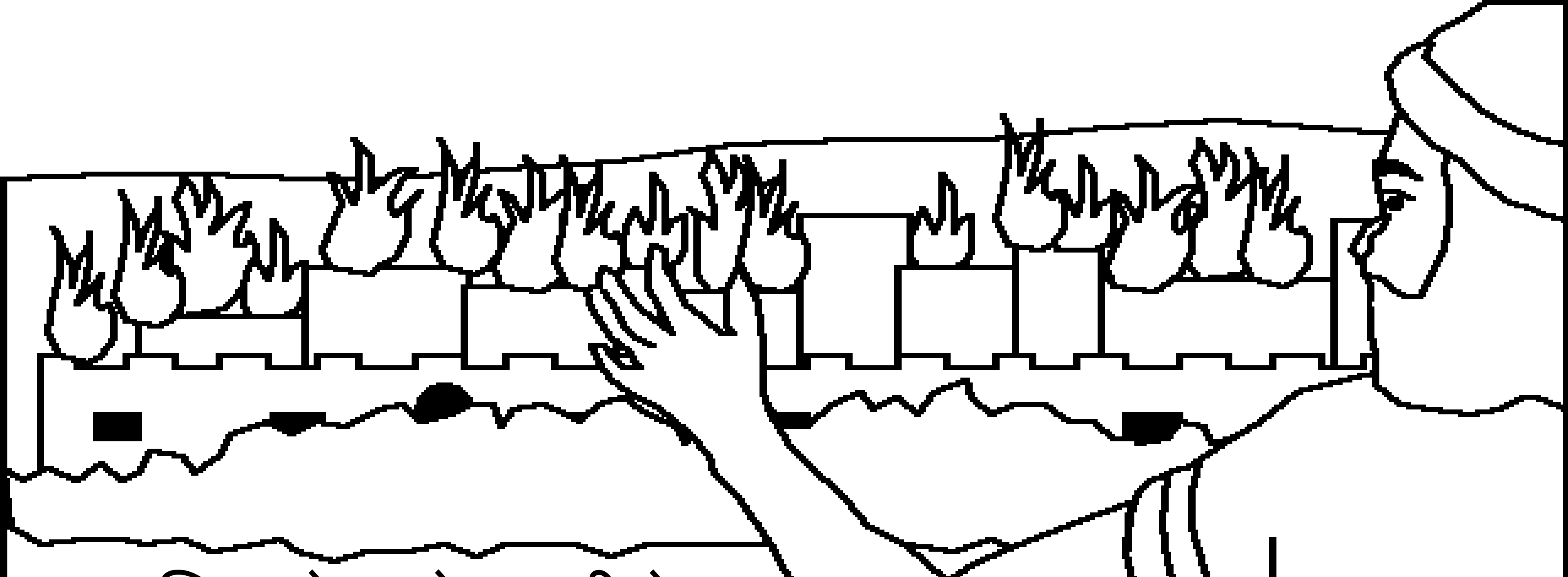

सत्यनिष्ठा से, यहोशू, यरीहो
के सोने, चांदी और खजाने को
परमेश्वर की सेवा के लिए समर्पित
कर दिया। फिर वह इस दुष्ट शहर के पुनर्निर्माण
करने वाले किसी भी पर एक अभिशाप रख दिया।
जल्द ही कनान में सब लोगों को यह पता चल
गया की यहोशू ने यरीहो को कैसे हराया है। वे
जान गए की परमेश्वर उन लोगों के साथ था।

यहोशू का उत्तरदायित्व सम्भालना

बाइबिल से, परमेश्वर के वाणी में कहानी

में पाया गया

यहोशू 1-6

“जो आपके जीवन में प्रकाश देता है।”
प्लाज्म 119:130

समाप्त

बाइबल की यह कहानी हमें अपने उस अद्भुत परमेश्वर के बारे में बतलाती है जिसने हमें बनाया और जो चाहता है कि आप उसे जानें।

परमेश्वर जानता है कि हमने ऐसे गुनाह किए हैं जिन्हें वह पाप मानता है। पाप की सज़ा मौत है किंतु परमेश्वर आपसे इतना प्रेम करता है कि उसने अपने एकमात्र पुत्र यीशु को इस दुनिया में भेजा ताकि वह सूली (क्रॉस) पर चढ़कर आपके पापों की सजा भुगते। यीशु मरने के बाद पुन: जीवित हुआ और स्वर्ग में अपने घर चला गया। यदि आप यीशु में विश्वास करते है और उससे अपने पापों की क्षमा मांगते हैं तो वह अपकी प्रार्थना सुनेगा। वह अभी आकर आपके अंदर बसेगा और आप हमेशा ही उसके साथ बने रहेंगे।

यदि आपको विश्वास है कि यह सब कुछ सच है, तो परमेश्वर से कहें: प्रिय यीशु, मुझे विश्वास है कि तू ही परमेश्वर है और मनुष्य के रूप में अवतरित हुआ ताकि मेरे पापों की वजह से। मौत की सजा भुगत सके और अब तू पुन: जीवित हुआ है। कृपया मेरी ज़िंदगी में आकर मेरे पापों को क्षमा कर, ताकि मुझे एक नया जीवन मिले और एक दिन में हमेशा हमेशा के लिए तेरे साथ हो लूं। हे यीशु, मेरी मदद कर ताकि मैं तेरी हर आज्ञा का पालन कर सकूं और तेरी संतान के रूप में तेरे लिए जी सकूं। आमीन।

बाइबल पढ़ें और प्रतिदिन ईश्वर से बात करें! जॉन 3:16